एक राष्ट्र एक परिवार।

अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिवार

न धर्मवाद न जातिवाद। न भाषावाद न क्षेत्रवाद।।
हमारा उद्देश्य सर्वसम्पन्न व सर्वसम्मान और प्रकाशवान हो हर इंसान।।

श्रद्धाजंलि

आइये हम सब मिलकर इस दल की प्रेरणाश्रोत व पथ प्रर्दशक स्व0 श्रीमती विमला देवी जी पत्नी श्री राम कृष्ण जी को सच्ची श्रद्धांजली व श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए धामिर्क, जातिगत, भाषा व क्षेत्रवाद से उपर उठकर इस राष्ट्र को एक परिवार के रूप में परिभाषित व विकसित करने का संकल्प लें और गर्व से कहें कि,

एक राष्ट्र और एक परिवार। अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिवार।

संदेश

सतत् प्रयत्नशील व संघर्षरत् रहे तथा एकता, प्रेम व सहयोबनाये रखें ।यही राष्ट्र व परिवार की एकता व अखण्डता बनायें रखने का मूल मंत्र है।

एकता की ओर तीन कदम

जय जन, जय भारत, जय जन, जय भारत, जय जन, जय भारत,

प्रस्तावना

"अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिवार पार्टी" विधि द्वारा स्थापित भारत के संविधान के प्रति तथा समाजवाद, पंथ-निरपेक्षता और लोकतंत्र के सिद्धांतों के प्रति सच्ची श्रद्धा और निष्ठा रखता है तथा भारत की प्रभुता, एकता व अखण्डता को अक्षुण्ण रखने के लिए कृतसंकल्प है।

अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिवार पार्टी का लक्ष्य एवं उद्देश्य

अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिवार पार्टी का निर्माण स्व0 श्रीमती विमला देवी जी पत्नी श्री राम कृष्ण जी के अथक प्रयास व प्रेरणा से किया गया। जिन्होने अपना पूरा जीवन अपनी क्षमता के अनुसार परिवार व समाज को एक सूत्र में बांध कर समूह में चलने का प्रयास किया और अपने जीते जी उसे कभी बिखरने नहीं दिया। उन्होने हमेशा अपनी क्षमता के अनुसार गरीबों व असहायों की मदद की। यह दल उनकी सोच व प्रयास का नतीजा है।

आज वो हमारे बीच नहीं है। उनका ख्वाब/सपना था कि इस देश को धर्म, जाति, लिंग, भाषा व क्षेत्रवाद से ऊपर उठाकर एक परिवार के रूप में परिभाषित व विकसित किया जाय।

आइये हम सब मिलकर इसे साकार करें। उनके इन्ही विचारों को प्रेरणा श्रोत के रूप में अंगीकार करके एक दृढ़ व मजबूत इच्छा शक्ति के साथ इस देश को एक परिवार बनाये, जहां किसी प्रकार की कोई वैमनस्यता, विभेद तथा ऊँच नींच व अमीरी गरीबी का भेद भाव न हो।

हम सब महफिल या समूहो में बैठकर या बड़े-बड़े मंचों से बड़ी-बड़ी बातें करते है लेकिन हकीकत में जब कुछ अच्छा करने का वक्त आता है तो हम सब पीछे हट जाते है, हम उन्हीं रूढ़िवादी परम्पराओं या व्याधियों से ग्रसित होकर एक दूसरे से धर्म, जाति, भाषा व क्षेत्र के आधार पर ईर्ष्या, भेद-भाव व वैमनस्याता से ग्रसित

होकर कभी-कभी ऐसे कार्य कर जाते है जिनकी वजह से आज भी कभी-कभी मानवता शर्मसार हो जाती हैं। हम सब अपने आप को मानव कम और व्यक्तिगत धार्मिक कट्टरपंथी कहलाने व प्रदर्शित करने में गर्व महसूस करते है। यही कारण है कि आज राजनीति में बुरे लोगों का वर्चस्व कायम है क्योंकि अच्छें लोग राजनीति में नहीं आतें है। ऐसा नहीं है कि इस देश में अच्छें लोंगों का अभाव है दरअसल अच्छें लोग भय व इच्छा शक्ति की कमी के कारण ये कहकर पीछे हट जाते है कि राजनीति अच्छे लोगों के लिए नहीं है।

जरा सोचिये जब इस देश में अच्छें लोग राजनीति में नहीं आयेंगें तो हमेशा बुरे लोग ही इस देश पर राज करेगें और हम सब हमेंशा कोई विकल्प न होने का बहाना बनातें हुए अपने कीमती वोटों को बर्बाद करते रहेगें।

अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिवार पार्टी ऐसे अच्छे लोगों का स्वागत करता जो बिना लालच व भेद-भाव के इस देश व देश के गरीब, असहाय, कमजोर व बेरोजगार लोगो के लिए कुछ करना चाहतें है व इस देश को एक परिवार के रूप में विकसित करना चाहतें हैं।

अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिवार पार्टी एक ऐसा राजनैतिक मंच है जिससे जुड़कर आप देश के गरीब, लाचार, असहाय व बेरोजगार जनता की मदद कर सकते है व इस देश में धर्म, जाति, लिंग, भाषा व क्षेत्रवाद के आधार पर व्याप्त भेद-भाव व वैमनस्यता को समाप्त कर इस देश को एक परिवार के रूप में विकसित कर सकते है।

हममें और अन्य पार्टियों में बहुत ही गूढ़ अन्तर है। आज जितनी भी पार्टियां है वो अपने राजनैतिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए देश में व्याप्त सामाजिक एकता व अखण्डता को परोक्ष या अपरोक्ष रूप से विध्वंश कर देश की जनता में धर्म, जाति, भाषा व क्षेत्र के आधार पर वैमनस्यता पैदा कर अपने राजनैतिक उद्देश्यो की पूर्ति करते हैं। परन्तु हम समाज के सबसे कमजोर व्याक्ति के आर्थिक, समाजिक व भौतिक उन्नति एवं देश को एक परिवार के रूप में

विकसित करने के लिए राजनीति का सहारा ले रहें हैं।

आज जितनी भी पार्टिया है वो कहीं न कहीं किसी न किसी रूप में धार्मिक, जातिगत, भाषा व क्षेत्र के आधार पर बंटी हुई है और हम आप भी बिना किसी पार्टी व उनके नेताओं के वास्तविक उद्देश्यों व चरित्र को जाने बगैर ही उन नेताओं द्वारा दिये गये भाषण, टी0 वी0 व समाचार पत्रों के माध्यम से प्राप्त समाचारों के आधार पर ही अपने दिलों दिमाग में ये बैठा लेतें है कि अमुक नेता व पार्टी हमारे धर्म व जाति का सर्मथक है। हम अंग्रेजो से तो आजाद हो गये परन्तु आज भी हम अपने हीं लोंगों द्वारा बनाई हुई धार्मिक व जातिगत रूढ़िवादी बेड़ियों में जकड़े हुएं है, हम सब अपने आप को मानव कम और धार्मिक व जातिगत कट्टरपंथी कहलाने व प्रदर्शित करने में ज्यादा गर्व महसूस करते हैं। हम सब मानवता व इंसानियत को भूल जाते है। हम ये भी जाते है कि इस पृथ्वी पर मानवता से बड़ा कोई धर्म नहीं है पूरे विश्व में हमें सिर्फ एक ही जाति से पुकारा जाता वो है हिन्दुस्तानी। हमारी इन्ही कमियों के कारण इस देश पर हजारों वषों तक विदेशी अक्रांताओं व अंग्रेजों ने इस देश पर फूट डालों राज्य करों की नीति अपनाकर पूरे देश पर राज किया और अब आजादी के बाद वहीं काम राजनैतिक पार्टियां कर रहीं है।

आज क्षेत्रीय जातिगत बाहुलता के आधार पर चुनावों में राजनैतिक पार्टियों द्वारा टिकट बांटे जाते है। राजनैतिक पार्टियों द्वारा हम सबको धार्मिक व जातिगत आधार पर ट्रंप कार्ड की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। हम आप वोट डालते समय मानवता व देश हित भूलकर सिर्फ धार्मिक, जातिगत, भाषा व क्षेत्र के आधार पर वोट डालकर चले आते है और अपने इस एक गलती का इल्जाम ५ सालों तक हम सब चुनी हुई सरकारों पर लगातें रहतें हैं। इन्ही कारणों से अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिवार पार्टी

<u>इस राष्ट्र को एक परिवार के रूप में विकसित करने का लक्ष्यः-</u>

अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिवार पार्टी इस देश को एक ऐसे

परिवार के रूप में विकसित करना चाहता है जहॉ धार्मिक, जातिगत, भाषा, व क्षेत्र के आधार पर किसी प्रकार का कोई भेदभाव न हो तथा इस दल का प्रत्येक सदस्य परिवार की तरह एक दूसरे की मदद के लिए सदैव हर स्तर पर तत्पर रहे।

क्योकि पार्टी का मानना है कि एक व्यक्ति से परिवार नहीं बनता है, परिवार व्यक्तियों के समूह व आपसी सहयोग से बनता है। इसी उद्देश्य से पार्टी ने यह निर्धारित किया है कि जो भी व्यक्ति इस पार्टी/दल की सदस्यता स्वीकार करेगा वह धर्म, जाति, भाषा व क्षेत्रवाद से ऊपर उठकर तीन अन्य व्यक्तियों को भी पार्टी की सदस्यता ग्रहण करवायेगा या पार्टी से जोड़ेगा यानि इस राष्ट्र को एक परिवार के रूप में विकसित करने की ओर तीन कदम बढ़ायेगा। जो अनिवार्य होगा। यह तीन कदम देखने और सुनने में बहुत छोटे लगते है परन्तु आगे चलकर इस राष्ट्र को एक परिवार के रूप में विकसित करने में आपका यह छोटा सा कदम बहुत बड़ा कदम साबित होगा ।

अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिवार पार्टी का मूल उद्देश्यः–

अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिवार पार्टी का मूल उद्देश्य देश के प्रत्येक व्यक्ति (विशेष कर गरीब, असहाय व बेरोजगार लोगो) को आर्थिक, भौतिक व सामाजिक रूप से सम्पन्न, मजबूत व आत्मनिर्भर बनाना है। यह तभी संभव है जब इस पार्टी से अधिक से अधिक ऐसे लोग जुड़ेगें जो संयुक्त परिवार (ज्वाइंट फैमिली) में विश्वास रखतें हों। तथा एक दूसरें को जोड़ने, आपसी प्रेम व सहयोग एवं एक दूसरे की भावनाओं को समझने व तन मन एवं धन से मदद करने में विश्वास रखतें हो। इस कार्य को सफल बनाने के लिए पार्टी/दल के सभी सक्रिय सदस्य व पदाधिकारी एवं कार्य-कर्ता मिल-जुलकर कार्य करेगें व एक दूसरे का सहयोग करेगें।

अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिवार पार्टी के सदस्यों व उनके परिवार के कल्याणार्थ कार्यक्रमो का निर्माण व संचालनः–

अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिवार पार्टी का जो भी सक्रिय सदस्य इस दल से कम से कम ३ या ३ से अधिक सदस्यों को एक निर्धारित सतत् क्रम में जोड़ेगा तथा पार्टी द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों/मीटिंग या अन्य क्रिया कलापों में तन मन धन व निष्ठा से तथा नियमित रूप से पार्टी द्वारा निर्धारित सामाजिक कार्य व श्रमदान इत्यादि में भी शामिल होगा या भाग लेगा एवं पार्टी द्वारा निर्धारित नीतिगत नियमों व कार्यक्रमों के विरूद्व कोई ऐसा कार्य नहीं करेगा जिससे पार्टी की छवि धूमिल होती हो तो पार्टी उसे प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कार भी देने का प्रयास करेगी।

पार्टी का कोष बढ़ने पर पार्टी अपने सुविधानुसार अपने सदस्यों व उनके परिवार के कल्याण हेतु कार्यक्रमों का निर्माण व संचालन करेगी जिससे किसी भी सदस्य व उसके परिवार को विषम परिस्थितियों में आवश्यकता पड़ने पर अन्य सदस्यों के सहयोग से आकस्मिक या तत्काल आर्थिक व शारीरिक मदद की जा सके परन्तु यह तभी संभव है जव पार्टी के सभी सक्रिय सदस्य नियमित रूप से समय-समय पर निर्धारित सदस्यता शुल्क अदा करेगें व पार्टी के लिए चंदा अथवा सहयोग राशि भी एकत्रित करेंगें एवं स्वर्य सदैव तन मन एवं धन से कार्य करने के लिए तत्पर रहेंगें तथा इस दल से कम से कम ३ या ३ से अधिक सदस्यों को जोड़ेगे।

<u>भारतीय संविधान के अनुरूप समता मूलक समाज की स्थापनाः–</u>

अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिवार पार्टी भारतीय संविधान में उल्लिखित व प्रदत्त, इस देश में समता मूलक समाज को स्थापित करने के लिए कृतसंकल्प व प्रतिबद्ध है। यह तभी सम्भव है जब हम इस देश के प्रत्येक नागरिक को संविधान के अनुरूप एक समान वातावरण में एक समान शुल्क पर समान शिक्षा, समान अवसर व एक स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण में न्यूनतम जीवन यापन की व्यवस्था जिसमें रोटी, कपड़ा, मकान(मकान हेतु एक ऐसे न्यूनतम क्षेत्रफल का निर्धारण जिसमें एक सामान्य परिवार जैसे की माता, पिता, पति, पत्नी व दो बच्चे आसानी से स्वस्थ वातारण म स्वच्छन्दता सें निवास कर सके), रोजगार (प्रत्येक बेरोजगार व्यक्ति की एक न्यूनतम आय का निर्धारण एवं व्यवस्था को सुनिश्चित करना जिससे वो सामान्य

रूप में अपने व परिवार का भरण पोषण कर सके), एक समान शिक्षा तथा एक न्यूनतम शुल्क पर चिकित्सा सुविधा इत्यादि ,की व्यवस्था हो, को लागू करनें हेतु कृतसंकल्प।

एक समान शुल्क पर एक समान शिक्षा व्यवस्थाः– .

अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिवार पार्टी पूरे देश में विभिन्न शिक्षा बोर्डो में व्याप्त भिन्न-भिन्न शिक्षा प्रणाली को समाप्त कर एक समान शिक्षा बोर्ड गठित करने व एक समान शिक्षा प्रणाली लागू कराने की पक्षधर है क्योंकि आज विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सीबी़ एस़सी़ पैटर्न पर प्रश्न पूछे जाते है जिससे अन्य शिक्षा बोर्डो से पढ़ाई करनें वाले छात्रों को काफी असुविधा होती है तथा अतिरिक्त पढ़ाई व मेहनत भी करनी पड़ती है। इसी उद्देश्य से पार्टी देश के प्रत्येक विधालयों व विश्वविधालयों में एक समान वातावरण में एक समान पाठ्क्रम व एक तरह की किताबें एवं एक समान शिक्षा शुल्क में विश्वास करती है तथा इसे लागू करने हेतु कृत संकल्प है जिससे इस देश के सभी छात्र, छात्राओं को एक समान वातावरण में एक समान शिक्षा शुल्क पर एक समान शिक्षा उपलब्ध हो सके जिससे उन्हे किसी भी प्रतियोगी परिक्षाओं की तैयारी में किसी भी प्रकार की कोई असुविधा न हो और कोई भी विधार्थी हीन भावना से ग्रसित न हों।

शिक्षा व्यवस्था को रोजगार परक बनाने पर बलः–
अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिवार पार्टी शिक्षा में वैज्ञानिक व तकनीकी आधार पर सुधार कर उसे रोजगार परख बनाने हेतु कार्य करेगी तथा ऐसे रोजगारविहीन विषयों को समाप्त कर उनके स्थान पर अन्य रोजगारपरख विषय जैसे- वैज्ञानिक, तकनीकी, औद्योगिक, खाद्य-प्रसंशकरण, कृषि एवं लधुउद्योगों इत्यादि से संम्बन्धित विषयों को अनिवार्य रूप से शामिल करने का प्रयास करेगीं।

विभिन्न प्रतियोंगी परीक्षाओं हेतु एकल चयन बोर्ड की स्थापना व परीक्षाओं को सुव्यावस्थित एवं सुगम बनानाः–

अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिवार पार्टी पूरे देश में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए एक चयन आयोग की पक्षधर है, जिससे

की कोई भी एक प्रतियोगी परीक्षा पूरे देश में एक ही दिन आयोजित हो क्योकि वर्तमान समय में एक ही दिन कई-कई प्रतियोंगी परीक्षाएं आयोजित होती है वो भी कुछ एक चुनिन्दा शहरों में जिससे उन शहरो में भीड़ के कारण काफी अव्यावस्था व्याप्त हो जाती है, रास्ते जाम हो जाते है, ट्रेनों व बसों में इतनी भीड़ हो जाती है की लोगों को लटक कर व खड़े-खड़े यात्रा करना पड़ता है जो कभी-२ हादसे, झगड़े व अपराध का कारण बन जाती है। अधिकतर परीक्षार्थियों को कई परीक्षाएं छोड़नी पड़ती है, जिससे उन परीक्षाओं का परीक्षा शुल्क व्यर्थ चला जाता है। दूसरें शहर में जाकर परीक्षा देनें पर परीक्षार्थियों पर खर्च का अतिरिक्त बोझ भी वहन करना पड़ता जो गरीब घर के छात्रों के लिए असहनीय होता है।

अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिवार पार्टी प्रतियोगी परीक्षाओं के परीक्षा केन्द्रों को परीक्षार्थियों के जनपद या मण्डल में बनाने की पूर्णतः पक्षधर है जिससे की प्रतियोगी परीक्षार्थियों को काफी दूर जाकर परीक्षा न देना पड़े और पैसा भी ज्यादा न खर्च करना पड़े तथा परीक्षार्थियों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिवार पार्टी प्रतियोगी परीक्षार्थियों को अपने जनपद के अलावा किसी अन्य जनपद में परीक्षा देनें जाने हेतु रेल व बस के किराये में छूट की पक्षधर है व इसे लागू करवाने का प्रयास करेगी तथा गरीब व असहाय परीक्षार्थियों को परीक्षा शुल्क से मुक्त रखनें का भी प्रयास करेगी।

<u>विद्यालयों/विश्वविधालयों में अतिरिक्त सीटें बढ़ानें पर बलः–</u>

अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिवार पार्टी विद्यालय/विश्वविधालय में दाखिला हेतु लिए जाने वाले प्रवेश परीक्षाओं का भी विरोध करता है क्योंकि ऐसे प्रवेश परीक्षाओं की वजह से काफी छात्र व छात्राएं विद्यालय/विश्वविद्यालय जाने से वंचित रह जातें है,जो संविधान में प्रदत्त समान अवसर व समानता के अधिकार का उल्लंघन है इस लिए पार्टी प्रत्येक जिले में छात्र व छात्राओं के लिए विद्यालय/विश्वविद्यालय की स्थापना व इनमें सीटें बढ़ाने की पक्षधर है जिससे की कोई भी छात्र/छात्रा विद्यालय/विश्वविद्यालय जाने से वंचित न रह जायें ।

व्यक्ति के विकास को प्राथमिकताः–

अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिवार पार्टी व्यक्ति के विकास में ज्यादा विश्वास रखता है। पार्टी का मानना है कि पहले व्यक्ति का विकास होना चाहिएं। व्यक्ति का विकास होगा तो परिवार का विकास होगा, परिवार का विकास होगा तो समाज का विकास होगा, समाज का विकास होगा तो देश का विकास होगा । क्योंकि आज भी देश की आधी से अधिक जनसंख्या गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करती है। जिस कारण से गरीबी, भूखमरी, बीमारी व अशिक्षा इत्यादि समस्याएं आज भी व्याप्त है।

उदाहरण के तौर पर यदि किसी व्यक्ति को घर बनाकर दे दीजिए परन्तु रोजगार/काम न मिले तो वह अपने परिवार व स्वयं की दैनिक जरूरतो, शिक्षा, भोजन इत्यादि की पूर्ति किस प्रकार से करेगा, नतीजा अपराध व भ्रष्टाचार को बल व बढ़ावा मिलेगा। इसलिए पार्टी पहले व्यक्ति के विकास पर बल देना चाहती है। पार्टी का मानना है कि सबसे पहले शिक्षा को वैज्ञानिक व रोजगार परक बनाना होगा, हर क्षेत्र में रोजगार के अवसर तलाशने हेतु एक कमेटी गठित करने की पक्षधर है जिससे अधिक से अधिक लोगों को रोजगार के अवसर मिल सकें।

शिक्षा के व्यावसायिकरण पर पूर्ण विराम लगाने की पक्षधरः–

आज देश में शिक्षा का व्यावसायिकरण अपने चरम स्तर पर पहुँच रहा है। कान्वेन्ट स्कूल, इंजीनियरिंग, मेडिकल कालेज, इत्यादि में शिक्षा के नाम पर असीमित शिक्षा शुल्क लिए जा रहे हैं जिसके कारण एक सामान्य व गरीब परिवार के बच्चे प्रतिभासम्पन्न होने के बावजूद ऐसी शिक्षाओं से वंचित रह जाते है और सम्पन्न व अमीर परिवार के बच्चे प्रतिभाविहीन होने के बावजूद पैसे के बल पर ऐसी डिग्रियां हासिल कर लेतें है। आज ज्यादातर प्राइवेट स्कूल, कालेज, कान्वेन्ट स्कूल, इंजीनियरिंग, मेडिकल कालेज, इत्यादि राजनैतिक हस्तियों या अपरोक्ष रूप से उनसें सम्बन्ध रखने वाले व्यक्तियों के है।

यही कारण है कि आज प्राइवेट स्कूल, कोचिंग, इंजीनियरिंग

कालेज, मेडिकल कालेज, नर्सिग होम व डाक्टर इत्यादि मनमाने शुल्क वसूल रहें है जिस पर सरकारें पाबन्दी लागनें पर नाकाम रही है।

अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिवार पार्टी समान वातावरण में एक समान शिक्षा पर एक समान शुल्क निर्धारण की पक्षधर है यह तभी सम्भव है जब निजीकरण व्यवस्था समाप्त कर अधिक से अधिक सरकारी संस्थान खोले जायें।

<u>प्रत्येक व्यक्ति को न्यूनतम दर पर एम्स जैसी चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध कराने पर बलः-</u>

आज देश में अधिकतर लोग सही समय पर सही चिकित्सा के अभाव में दम तोड़ देतें हैं। अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिवार पार्टी देश के प्रत्येक जिले के राजकीय चिकित्सालयों का सुव्यवस्थित व आधारभूत ढांचागत विस्तार व निर्माण तथा नवीनीकरण व आधुनिकीकरण करने में विश्वास रखती है जिससे प्रत्येक जिला चिकित्सालयों में लोगों को समय रहते अपने ही जिले में एम्स जैसी व्यवस्थाऐ मिल सके और उन्हे दूर जाकर मंहगें इलाज से राहत मिल सके। ऐसा करनें से एक नया एम्स बनानें में जितना खर्च आयेगा उतनें खर्च में सरकार कई जिला चिकित्सालयो में एम्स जैसी व्यवस्थाएं उपलब्ध करा सकती है।

आज दिन ब दिन इलाज मंहगें होते जा रहें हैं, जिला सरकारी अस्पतालों में केवल सामान्य सुविधाएं है वो भी नही के बराबर हैं, एम्स जैसें अस्पतालों में लम्बी कतारें लगी होने के कारण मरीजों को आपरेशन व इलाज के लिए 2 से 5 सालों का डेट दिया जा रहा है। प्राइवेट अस्पतालों में इलाज इतना मंहगा है कि साधारण व्यक्ति के हैसियत से बाहर है।

इन्ही सब समस्यों कों देखते हुए अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिवार पार्टी अपने दल के सभी सक्रिय सदस्यों के लिए मेडिक्लेम पालिसी/हेल्थ इंश्योरेंश की व्यवस्था लागू करेगी जिससे पैसों के अभाव में भी लोग अपना इलाज करा सके ।

भ्रष्टाचार उन्मूलनः–

अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिवार पार्टी देश से भ्रष्टाचार मिटाने के लिए भी संघर्ष करेगी। पार्टी का मानना है कि भ्रष्टाचार का मूल कारण अव्यवस्था व व्यक्ति के क्षमता के अनुरूप कार्यो के न्यूनतम मानक निर्धारण का अभाव व पद एवं कार्य के अनुरूप वेतन विसंगतियां एवं आवश्यकता से अधिक कार्य का बोझ भी है जिस कारण अक्सर छोटे अधिकारी/कर्मचारी अपने उच्चाधिकारियों द्वारा शोषित भी किये जाते है और भ्रष्टाचार उन्मूलन की आड़ में दण्ड के भी भागीदार बनते है । अक्सर उच्चाधिकारियों के भ्रष्ट कार्यों का विरोध करने या उनके भ्रष्ट एवं विधि विरूद्ध कार्यों में सहयोग न देनें एवं असहमति व्यक्त करनें के कारण छोटे अधिकारियों/कर्मचारियों को किसी व्यूह रचना के तहत जबरदस्ती भ्रष्टाचार निरोधक कानून के अन्तर्गत फंसा दिया जाता है या कार्य में शिथिलता बरतने अथवा अनुशासन हीनता का आरोप लगा कर फंसा दिया जाता है। प्राइवेट नौकरियों में और भी विकट स्थितियां है। प्राइवेट संस्थानों में न तो न्यूनतम कार्य का निर्धारण और न ही समय का निर्धारण है। अतः पार्टी इस देश में एक सरल, सुव्यवस्थित एवं सुसंगठित व्यवस्था लागू करने हेतु कार्य करेगी जिससे भ्रष्टाचार व शोषण पर काफी हद तक रोक लगाया जा सके।

कर्ज मुक्त भारत की कल्पना को साकार करनाः–

अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिवार पार्टी एक कर्ज मुक्त भारत की कल्पना करता है जिसे साकार करने के लिए हर सम्भव प्रयास करेगें। क्योंकि जो ऋण मुक्त है उसी की उन्नति होती है, ऋण ग्रस्त व्यक्ति या देश दिन ब दिन अवनति/ गुलामी की ओर बढ़ता जाता है। गांधी जी भी कहते थे की विदेशियों या गुलामीं की अथवा कर्ज लेकर घी चुपड़ी रोटी खाने से अच्छा है हम नमक रोटी खाकर या पानी पी कर सों जायें ।

इस देश पर प्रतिव्यक्ति विदेशी कर्ज हर वर्ष बढ़ते जा रहे है जिस कारण लगभग हर दिन भारतीय रूपया डालर के मुकाबले कमजोर होता जा रहा है। फिर हम कैसे कह सकते है कि देश का विकास हो रहा है क्या देश पर कर्ज बढ़ना ही विकास को परिभाषित करता है ?

क्या कर्ज से ही देश का विकास होगा, यही कारण है कि आज प्रत्येक व्यक्ति अपनी आय का कम से कम 50 प्रतिशत परोक्ष या अपरोक्ष रूप से टैक्स के रूप में अदा करता है। आज इस देश में प्रत्येक व्यक्ति पर लगभग 22,000/–रूपये से अधिक का विदेशी कर्ज है। यदि विदेशी कर्ज इसी रफ्तार से बढ़ता रहा तो हम धीरे-धीरे अपरोक्ष रूप से गुलामी की ओर बढ़ते जायेगें, जिसका हमें पता नहीं है। जरा सोचियें की जब हम और आप अपनी कमाई का लगभग पचास प्रतिशत परोक्ष या अपरोक्ष रूप से टैक्स के रूप में अदा करगें और उसके बावजूद प्रतिवर्ष इस देश पर विदेशी कर्ज बढ़ते जा रहे है तो आम जनता के पास अपने परिवार व भविष्य के लिए क्या बचा यानि आप अपनी बड़ी व भविष्य की आवश्यकताएं बैंक से कर्ज/लोन लेकर पूरी करें।

कर व्यवास्था को सुगम व सुव्यवस्थित बनानाः–

अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिवार पार्टी कर व्यवस्था को सरल बनाने की पक्षधर है। पार्टी का मानना है कि कर का स्वरूप ऐसा हो जिससे प्रत्येक व्यक्ति का अस्तित्व व संम्मान बरकरार रहें, कर की वसूली सूर्य की तरह करनी चाहिये, जिस तरह सूर्य समुद्र या नदी से अपनी किरण या ताप के बदलें वाष्प के रूप में जल लेता है जिससे सूर्य व समुद्र का अस्तित्व व सम्मान दोनों ही बरकार रहता है। कर का स्वरूप ऐसा हो जिससे देश का प्रत्येक व्यक्ति सहर्ष व स्वतः ही आसानी से कर अदा कर सके व देश के विकास मे भागीदार बन सके जिससे देश का कोष भी भरा रहे व आम जन का अस्तित्व भी बरकार रहे और हम विदेशी कर्ज से मुक्त भी हो जायें।

मेड बाई इण्डिया पर बलः–

अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिवार पार्टी मेड बाई इंडिया में विश्वास रखता है। इसके लिए पार्टी उत्पादों के निर्माण व बिक्री पर लगाये जाने वाले करो की समीक्षा करेगी और मूल भारतीय छोटे व बड़े उद्योगों द्वारा उत्पादों के निर्माण व बिक्री पर लगाये जाने वाले करो को भी कम करने का प्रयास करेगी जिससे विदेशी उद्यमियों पर निर्भता को कम से कम किया जा सके। आज भारत में विभिन्न

क्षेत्रों,यहां तक की सेना जैसे संवेदनशील क्षेत्रों मे भीं विदेशी निवेश ४९ प्रतिशत से बढ़ाकर लगभग १०० प्रतिशत तक कर दिया गया है जो इस बात का स्पष्ट संकेत है कि आने वाले समय में भारत की अर्थव्यवस्था विदेशी कम्पनियों के हाथों में चली जायेगी यहां तक की सेना में भी विदेशी कम्पनियों का अपरोक्ष रूप से हस्ताक्षेप होगा। यदि हम विदेशी उद्यमियों या विदेशियों पर निर्भता कम कर पायें तो सही मायने में गांधीजी व अन्य स्वतन्त्रता सेनानियों जिन्होनें स्वदेशी का नारा दिया था, के प्रति सच्ची श्रद्वांजलि होगी ।

जरा सोचियें की सन् 1605 ई0 में तत्कालीन मुगन शासक जहांगीर ने विकास व आधुनिकता के नाम पर ईस्ट इंडिया कम्पनी को सूरत में कारखाना स्थापित करने की अनुमति प्रदान की थी जो भारत को गुलाम बनाने की ओर पहला कदम था जिसका खामियाजा फरूख्सियर व बहादुर शाह जफर जैसे शासको को भुगतना पड़ा उन्हे मजबूर होकर देशी उद्योगों पर भारी कर लगाकर विदेशी उद्योगों को कर मुक्त करना पड़ा। आज फिर से विकास के नाम पर वहीं बातें दोहराई जा रही हैं। भारत में विदेशी उद्योगो की स्थापना व विभिन्न क्षेत्रों में १०० प्रतिशत तक का विदेशी निवेश गुलामी की ओर शायद पुनः मीठे जहर की तरह पहला कदम है।

जरा सोचिये यदि इस देश में विदेशी कम्पनियों ने पैर जमाना शुरू कर दिया तो आने वाले समय में इस देश की अर्थव्यवस्था उनके हाथ में चली जायेंगी और हम उन पर आश्रित हो जायेगें। सरकार उनके हाथ की कठपुतली मात्र बनकर रह जायेंगी । यदि सरकार उनकी बातें नहीं मानेंगी तो वो अपनें उद्योगों को बन्द कर देगें नतीजा देश में बेराजगारी व भुखमरी फैल जायेंगी ।

इसीलिए अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिवार पार्टी मेड बाई इंडिया में विश्वास रखता है।

तृतीय व चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की स्थिति बेहतर बनाने पर बलः–

अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिवार पार्टी तृतीय व चतुर्थ श्रेणी के सरकारी कर्मचारियों को मिलने वालें वेतन पर लगने वालें करों में

अधिक से अधिक छूट देने का पूरा प्रयास करेगीं तथा गैर सरकारी कर्मचारियों को भी इनके समकक्ष वेतन पानें वालों के लियें भी ऐसा ही प्रयास करेगी तथा तथा कार्य के अनुसार वेतन व भत्तों में सुधार करने की पक्षघर है क्योंकि कार्य का सबसे अधिक बोझ तृतीय श्रेणी के सरकारी कर्मचारियों पर होता है।

अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिवार पार्टी तृतीय व चतुर्थ श्रेणी के सरकारी कर्मचारियों के लिए भी उनके कार्यालय के समीप सरकारी आवास(एक ऐसे न्यूनतम क्षेत्रफल में आवास का निर्माण जिसमें एक सामान्य परिवार जैसे की माता, पिता, पति, पत्नी व दो बच्चे आसानी से स्वस्थ वातारण में स्वच्छन्दता सें निवास कर सके), उपलब्ध करायेगी तथा प्राइवेट सेक्टर व कम्पनियों के कर्मचारियों को भी ऐसी व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए जरूरी नियम व कानून का निर्माण करेगी।

<u>एक समान पद पर एक समान वेतन लागू करने की पक्षधरः–</u>
अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिवार पाटी पूरे देश में समस्त केन्द्रीय व राज्य कर्मचारियों के क्षमता के अनुरूप नियम बद्ध कार्य का निर्धारण, एक समान वेतन व भत्ते एवं स्वच्छ, सुव्यवस्थित, सुविधायुक्त वातावरण उपलब्ध कराने में विश्वास करती है एवं समय आने पर इसे लागू करवाने के लिए कृतसंकल्प है।

<u>पुरानी पेंशन व मृतक आश्रित व्यवस्था लागू करने की पक्षधरः–</u>
अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिवार पार्टी देश के विभिन्न सरकारी व गैर सरकारी संस्थानों में पुरानी पेंशन व मृतक आश्रित व्यवस्था लागू करने की पक्षधर हैं।

<u>जाति प्रथा एवं भेद भाव मिटाने के लिये कृतसंकल्पः–</u>
अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिवार पाटी जातिगत विभेद मिटाने का हर सम्भव प्रयास करेगी जिसके लिए पार्टी अपने पदाधिकारियों व सदस्यों के नाम के बाद लगने वालें जाति सूचक टाइटल/ उप नाम पर पूर्णतया विराम लगायेगी तथा पार्टी के बैनर पोस्टर इत्यादि में किसी भी सदस्य अथवा पदाधिकारी के नाम के आगे या पीछे जाति

सूचक टाइटल या उपनाम का उल्लेख नहीं करेगी । और न ही किसी सभा या कार्यक्रम में ही इसकी पूंछ तांछ की जायेगी और न ही इस विषय पर चर्चा की जायेगी । पार्टी जतिगत विभेद व वैमनस्यता रखने वालें ऐसे पदाधिकारियों /सदस्यों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही करेगी।

वेश्यावृति पर पूर्णतः रोक एवं पुर्नवास पर बलः–

आपने अक्सर टी0वी0 व समाचार पत्रों में देखा व पढ़ा होगा कि दिन ब दिन देश में महिलाओं की संख्या कम होती जा रही हैं। क्या आपको मालूम है कि देश में कितनी मासूम बच्चियां प्रतिदिन वेश्यावृति में धकेल दी जाती है और वो भी शासन व प्रशासन के नाक के नीचे, न जाने कितने वेश्यालय धड़ल्लें से चल रहें है जिसमें हजारों लाखों बच्चियों से जबरजस्ती वेश्या वृत्ति करायी जाती है और कुछ गरीबी व भुखमरी व किसी मजबूरी में इस धन्धे में लिप्त हे, ऐसी लड़कियों का न तो कोई आधार या आईडी़ है और न ही सरकारी आकडों़ में इनकी गिनती होती है और न ही ऐसी लड़कियों के पुर्नवास की सरकार की ओर से कोई व्यवस्था है। अब तो नारी संरक्षण गृह से भी जबरजस्ती वेश्यावृत्ति कराये जाने की घटनाऐं अक्सर सुनाई पड़ती है। पार्टी ऐसी गंदी व्यवस्था को बंद करने व ऐसी लड़कियों या महिलाओं के पुर्नवास की व्यवस्था लागू करवाने के लिए कृत संकल्प है।

देश के तमाम बेधर व असहायों को भारतीय नागरिकता की पहचान दिलानाः–

आज जो सम्पन्न है या जिनके पास मकान है रोजगार या नौकरी है, उनके पास अपना राशन कार्ड, निवास प्रमाण पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस, कार्यालय पहचान पत्र इत्यादि भी है और उनका आधार कार्ड भी है, परन्तु इस देश में जिनका अपना कोई आधार ही नहीं है यानि जिनके पास न मकान है न रोजगार है न कोई पहचान पत्र है बेसहारा व बेघर यानि इस देश में न तो उनका अपना कोई आधार है और न ही पहचान है अर्थात इस देश में रहकर भी वो इस देश में रिफ्यूजी है आम शब्दों में उन्हें बंजारें या मवाली कहतें हैं, वो भारतीय होने के बावजूद अपने को भारतीय होने का प्रमाण प्रत्र नहीं

प्रस्तुत कर सकते। ऐसे लोंगों को ही आधार कार्ड की सख्त आवश्यकता है क्योंकि ऐसे व्यक्तियों का इस देश में न तो कोई आधार है और न ही कोई वजूद है ऐसें लोगों को सरकार मरने के बाद लावारिस धोषित कर देती है। अक्सर आपने देखा होगा कि सरकारी बस या ट्रेन में दुर्घटना के समय मरने वालों में सबसे अधिक संख्या जनरल या साधारण बोगी में सफर करने वालों की होती है जबकि सरकारी आकड़ें रिजर्वेशन बोगी से लिए जाते है। आज तक किसी भी सरकार ने इस ओर नहीं ध्यान दिया कि जनरल टिकट पर भी यात्रा करने वाले का नाम व पता अंकित किया जाय जिससे ऐसी दुर्धटनाओं के समय उनके भी आकड़ें जारी किये जा सके और उन्हे भी यथोचित चिकित्सकीय या आर्थिक सहायता मिल सके।

विनती- हसे पढ़कर फेकें नही बल्कि दूसरों को भी पढ़ने के लिये सर्हष दें।

एकता की ओर तीन कदम

जय जन, जय भारत, जय जन, जय भारत, जय जन, जय भारत,